यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2022

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 7

अंक 97+3-100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 काँलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति करे- **10**

1. मदनरेखा ..... की पत्नि थी।
2. वेधराज ने राजा के शरीर पर ..... का लेप लगाने को कहा।
3. पूर्व भव में नमि राजा ने शुद्ध संयम पालन के कारण उत्कृष्ट ..... वाले देवलोक में उत्पन्न हुए।
4. देवेन्द्र देवराज ने ..... का रूप धारण किया।
5. नमि राजा को ऊहापोह करते-कहते ..... ज्ञान उत्पन्न हुआ।
6. समुच्चय जीव और ..... में दस संज्ञाए पाई जाती है।
7. आश्रव द्वार में प्रवृति करना ..... कहलाता है।
8. चलते समय अपने उपयोग को ठीक रखना ..... यतना है।
9. एषणा व उद्गम के ..... व ..... दोष बताए है।
10. मादक वस्तुओं को लेना ..... दोष है।

प्रश्न 2. सही या गलत बताएँ **10**

1. परलौकिक सुखो के लिए आचार का पालन करें। ( )
2. विनय समाधि का वर्णन उत्तराध्यन सूत्र के आधार से किया गया है। ( )
3. अध्ययन करने से चित्त की एकाग्रता होगी। ( )
4. सबसे सर्वोच्च क्षमा मानसिक क्षमा है। ( )
5. सुंदरी श्रमण परम्परा की पहली महाश्रमणी थी। ( )
6. दुर्दान्त डाकू के दल में 500 डाकू रहते थे। ( )
7. सुदर्शन राजगृही नगरी में निवास करते थे। ( )
8. सुंदरी का सत्याग्रह असफल हुआ। ( )
9. राज दधिवाहन ने सुदर्शन को नगर सेठ बना दिया। ( )
10. क्रोध शमन का एक मात्र उपाय क्षमा है। ( )

प्रश्न 3. किसने कहा ? **10**

1. सत्य बात निशंक कहे तो जीव का परम कल्याण होता है।

.....

.....

2. इनका मूल्य क्या है?

.....

.....

3. इन्द्रिय दमन करने से जीव का परम कल्याण होता है।

.....

.....

4. आत्मा का अमर सौन्दर्य खिलता सा लग रहा है।

.....

.....

5. उग्र तप करने से जीवन का परम कल्याण होता है।

.....

.....

6. वैशाली के ब्राह्मण बड़े ईष्यालु है।

.....

.....

7. देव उपसर्ग समभाव से सहे तो जीव का परम कल्याण होता है।

.....

.....

8. यह पुत्र सुदर्शन का कैसे हो सकता है।

.....

.....

9. धर्म दलाली से जीवन का परम कल्याण होता है।

.....

.....

10. क्षमा करे राजन! मुझे कुछ नहीं चाहिए।

.....

.....

प्रश्न 4. गाथा पूर्ण करे **15**

1. मिहिलं ..... भयवं।।
2. पागारं ..... खत्तिया।।
3. एस अग्गी ..... पेक्खह।।
4. धणुं ..... पलिमंथए।।
5. जइत्ता ..... खत्तिया।।
6. णमी ..... पज्जुवट्ठिओ।।
7. अहे ..... भयं।।
8. पुढवी ..... चरे।
9. मासे मासे ..... सोलसिं।।
10. असइं ..... जगो।

प्रश्न 5. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखे **5**

1. पवियक्खणा .....
2. पेच्चा .....
3. पत्थेमाणा .....
4. सरित्तु .....
5. चेइए .....
6. डज्झमाणिए .....

7. अब्बवी .....

8. दुप्पधंसयं .....

9. लोमहारे .....

10. विउले .....

प्रश्न 6 चरण क्रम बताकर अगला चरा लिखे **10**

उदाहरणः एयमट्ठं णिसामित्ता **उत्तरः– चरण 1 अगला चरण– हेउकारण चोइओ**

1. अण्णं पत्थेसि आसमं .....

2. दुज्जयं चेव अप्पाणं .....

3. मुणी विगय संगामो .....

4. चत्त पुत्त कलत्तस्स .....

5. हिरण्णं पसुभिस्सह .....

6. कामे भोए पत्थेमाणा .....

7. इंहसि उत्तमो भंते .....

8. पंडिया पवियक्खणा .....

9. वंदइ अभित्थुणंतो .....

10. अप्पाणमेवजुज्झाहि .....

प्रश्न 7. निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो **20**

1. प्रमाणतिरेक दोष क्या है?

.....

.....

2. धात्रीकर्म क्या है?

.....

.....

3. प्रादुष्करण क्या है?

.....

.....

4. कायगुप्ति क्या है?

.....

.....

5. भाषा समिति क्या है?

.....

.....

6. समिति गुप्ति का वर्णन किस शास्त्र के आधार पर किया गया है?

.....

.....

7. रोगोप्पत्ति के अत्यासन कौन सा कारण है व अत्यासन क्या है?

.....

.....

8. आत्मारम्भ व परारम्भ क्या है?

.....

.....

9. भय संज्ञा के 4 कारण लिखे ?

.....

.....

10. मनुष्य की अपेक्षा आहारादि संज्ञा का अल्पबहुत्व लिखे?

.....

.....

प्रश्न 8. निम्नलिखित काव्याशों को पूर्ण करे– **18**

1. हो दुःख ..... भरपूर हो।
2. संसार ..... टले।
3. जो क्षति ..... हे महा।
4. शैशव ..... आभारी है।
5. सद्गुरू ..... वो ही है।
6. जो शुभ ..... तैयार ।
7. संवर ..... दिनचार।
8. जिनवाणी ..... हे आरी।
9. सिद्ध ..... बन जाऊ।
10. बरस ..... जाय।
11. डाभ ..... स्वभाव।
12. पुण्य क्षीण..... आप।